ब्रिड्जिंग गतिविधि

छात्र हाई स्कूल में नये-नये आये हैं। उनका वर्तमान स्तर पहचानना शैक्षिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक हैं। प्रस्तुत गतिविधि का उद्देश्य छात्रों का वर्तमान स्तर पहचानना और उन में हिन्दी के प्रति रुचि बढाना है।

प्रक्रिया

एक बक्से के अंदर एक फूल छिपाकर रखें। बक्से पर "मैं कौन हूँ" लिखकर कक्षा में मेज़ पर रखें। छत्रों को कहने का अवसर दें। सहीं उत्तर मिलने तक एक एक सूचना देते रहें।

सूचनाएँ

- मैं आपके आस पास रहता हूँ
- मैं सब का प्यारा हूँ।
- रंग मेरी खूबी है।
- मुझ में सुगंध होता है।
- .....
- .....
- .....

सही उत्तर मिलने पर बक्सा खोलकर दिखाएँ और श्यामपट् पर फूल का नाम लिखें।

(अलग अलग डिविजनों में विभिन्न फूलों का इस्तेमाल करें और उनके अनुसार सूचना देते रहें - जैसे - गुलाब, चम्पा, चमेली, कमल ...)

श्यामपट् पर लिखे फूल के संबन्ध में मन पसंद प्रोक्ति लिखने का निर्देश दें।

- दो तीन की प्रस्तुति
- छात्रों की रचनाओं का आकलन करें। टीचिंग मानुअल में छोत्रों के नाम रेटिंगस्केल की सहायता से ग्रेड करके लिखें।

(A) बिना किसी की मदद से अपने आप लिखनेवाले	(B) छोटी सी मदद से लिखनेवाले	(C) ज़्यादा मदद की ज़रूरतवाले
1. 2. 3. 4. 5.	1. 2. 3. 4. 5. 6.	1. 2. 3. 4.

छात्रों के बुनियादी दल बनाएँ। इस केलिए अलग अलग तरीके अपनाएँ (इस में विभिन्न स्तर के छात्र हो।)

मोड्यूल 1

आश्य / धारणा

- लोक कथाएँ अकसर रसीली एवं सीख देनेवाली होती है।
- ज्ञानार्जन जन्म से लेकर मृत्यु तक चलनेवाली प्रक्रिया है।

समय : 8 कालांश

प्रक्रिया

- आपने फूल के संबन्ध में मन पसंद रचना की है। तो बताएँ फूल की विशेषताएँ क्या-क्या है?

  स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर।

- संभावित उत्तर (रंग, सुगंध, मधु.....)
  - फूलों से मधु कौन-कौन लेते हैं?

    स्वतंत्र प्रतिक्रिया
  - (तितली, भ्रमर, मधुमखी...)
    - मधुमखी की खूबियाँ क्या-क्या है?
    - मधुमखी कहाँ-कहाँ-से मधु लेती है?

      प्रतिक्रिया का अवसर
    - क्या आपने मधुमखियों को देखा है?

      छात्रों की प्रतिक्रिया
  - पन्ना सात का चित्र दिखाकर पूछें
    - चित्र की मधुमखियों की खासियतें क्या-क्या है?

      स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर
  - इनके पंख किसकी ओर इशारा करते हैं?
  - किताबों में से हमें क्या मिलता है?
  - .....
  - .....

    प्रतिक्रिया का अवसर
  - वांछित उत्तर - ज्ञान
  - मधु संकलन और ज्ञानार्जन में कोई समानता है?
  - ज्ञान कहाँ कहाँ से मिलता है?
  - मधुमखी मधु कहाँ-कहाँ से लेती है?

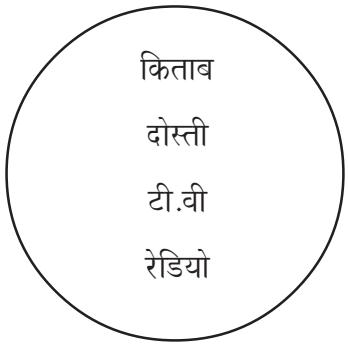

- .....
- .....

संक्षिप्तीकरण

मधुमखियाँ विभिन्न स्रोतों से मधु संकलन करती है। उसी प्रकार ज्ञानार्जन के भी विभिन्न स्रोत हैं।

इस पर एक लोककथा पढें (पन्ना आठ)

पहला और दूसरा खंड पढने का निर्देश दें।

- वैयक्तिक वाचन

  छात्र शब्दकोश की सहायता से अपरिचित शब्दों के अर्थ ढुँढ निकालें।

- दल में चर्चा करने का अवसर

  अध्यापिका दलों में आवश्यक मदद दें।

आप ये प्रश्न बच्चों के सामने रखें।

> "बहुत सी ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में मैं नहीं जानता" इस कथन से अकबर का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है?
>
> अकबर का स्वागत एक विचित्र दुश्य ने किया-दृश्य कौन सा था?

पूछें

अकबर ने क्यों ऐसा कहा होगा?

.....

.....

- दलों की प्रस्तुति
- अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण
- दो तीन छात्रों का सस्वर वाचन

  पन्ना नौ का चित्र दिखाकर पूछें।

  चित्र में कौन-कौन हैं?

  चित्र में अनेक पेशे और पेशेवर हैं।

  इनकी तालिका बनाएँ (अनुबद्ध कार्य)

जैसे

पेशेवर	पेशा
किसान	खेती का काम करता है।
सुनार	सोने का काम करता है।
.....	.....
.....	.....

अनुबद्ध कार्य की प्रस्तुति और चर्चा

पूछें,

बीरबल का इन लोगों को दरबार में बुला लाने का उद्दोश्य क्या होगा?

स्वतंत्र प्रतिक्रिया

देखें आगे क्या होता है,

(इन सबके क्या मतलब ह ै..... तो सभी-शिक्षक भी है विद्यार्थी भी।)

वैयक्तिक वाचन

बीरबल ने अकबर से कौन-कौन से प्रश्न पूछें?

"सभी शिक्षक भी है और विद्यार्थी भी" इस का मतलब क्या है?

- दलों में चर्चा
- अध्यापिका की मदद
- दलों की प्रस्तुति
- अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण
- दो तीन छात्रों का सस्वर वाचन

पूछें,

बीरबल ने क्या-क्या प्रश्न पूछें?

अकबर का जवाब क्या था?

प्रतिक्रिया का अवसर

आगे क्या हुआ, देखें शेष कहानी।

- वाचन प्रक्रिया चलाएँ

पूछें,

"हमेशा ही सीखता हूँ" इस से क्या मतलब है?

यहाँ 'हमेशा' का तात्पर्य क्या है?

.....

.....

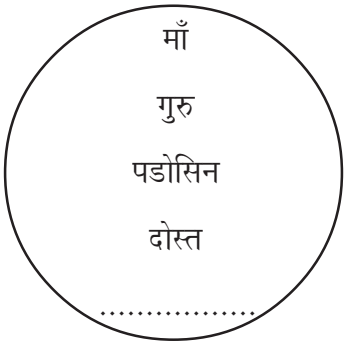

चर्चा चलाएँ

जन्म से मृत्यु तक चलनेवाली प्रक्रिया है शिक्षा

- यहाँ बूढ़ी महिला किन-किन की प्रतिनिधि हो सकती है?

चर्चा

- इस पाठभाग से कौन-सा आश्य आपको मिला? स्वतंत्र प्रतिक्रिया।

ज्ञानार्जन जन्म से लेकर मृत्यु तक चलनेवाली प्रक्रिया है। हर व्यक्ति में कोई न कोई हुनर है।

हम ने एक लोक कथा पढ़ी,

कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन है?

उनकी वेशभूषा कैसी है?

स्वतंत्र प्रतिक्रिया

पाठ पुस्तिका की तालिका में लिखने का अवसर

इस कहानी के कितने प्रसंग है?

वे क्या-क्या है?

प्रत्येक प्रसंग कब और कहाँ होता है?

पाठ पुस्तिका की तालिका में लिखने का अवसर दें।

प्रत्येक प्रसंग में इस कहानी के पात्रों के बीच का संवाद क्या होगा?

एक प्रसंग का संवाद तैयार करें

लिखने के लिए पर्याप्त समय दें

दो तीन की प्रस्तुति।

कहानी को एकांकी के रूप में लिखने का निर्देश दें।

सहायक प्रशन

केवल संवाद जोड़ने से एकांकी बन जाती है?

प्रसंग की क्या भूमिका है?

वेश भूषा के बारे में उल्लेख है?

.....

.....

एकांकी

.....

.....

- वैयक्तिक लेखन
- दो-तीन की प्रस्तुति
- पाठ पुस्तिका की सूचना के अनुसार स्वआकलन
- दल में परिमार्जन
- दल की प्रस्तुति
- अपनी प्रस्तुति
- संशोधन

पन्ना बारह के वाक्य श्यामपट्ट या चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें।

जैसे - हर एक ऐसा कुछ जानता है।

क्या आप जानते हैं

.....

.....

वाक्यों का विश्लेषण करें और रेखांकित आशों का आपसी संबन्ध पर चर्चा करें।

इन वाक्यों पर ध्यान दें,

हर **शख्स** आपको कुछ न कुछ सिखा सक**ता है**।

हरेक ऐसा कुछ जान**ता है**।

क्या **आप** जान**ते हैं**?

मैं हर चीज़ को सीखना चाह**ता हूँ**।

मैं माफ़ी चाह**ता हूँ**।

मोड्यूल 2

आश्य / धारणा

- व्यंग्य चित्र के ज़रिए किसी भी विषय का व्यंग्यांत्मक प्रस्तुतीकरण संभव है।
- ज्ञान बाहरी दिखावा नहीं है।
- एकांकी में समय, स्थान आदि की प्रमुखता है।
- प्रसंगानुकूलता, संक्षिप्तता, आकर्षणीयता आदि पोस्टर को अधिक संप्रेषणीय बननेवाले तत्व है।

समय : कालांश आठ

प्रक्रिया

ऐसी टी के द्वारा कार्टूणों की प्रदर्शनी या कार्टूण के कुछ नमूने दिखाएँ

पूछें,

यह क्या है?

कार्टूण की विशेषता क्या-क्या है?

पन्ना तेरह के कार्टूण पढ़ने का निर्देश दें

- वैयक्तिक वाचन
- दो-तीन छात्रों की प्रस्तुति

सहायक प्रश्न

पगडी और ज्ञान के बीच कोई संबन्ध है?

पगडी उतारकर दूसरे के सिर पर रखी, कारण क्या होगा?

पगडी में कौन सा पोल छिपा था?

- दलों में चर्चा
- दलों की प्रस्तुति
- संक्षिप्तीकरण

बाहरी दिखावा ज्ञान का मापदण्ड नहीं है।

पूछें,

ज्ञान क्या है?

देखें

'ज्ञान' पर एक एकांकी (पाठ पुस्तिका की एकांकी 'ज्ञान मार्ग' पढने का निर्देश)

"तीन राजकुमार ..... तुमको दण्ड देंगे"

- वाचन प्रक्रिया के सोपानों से गुज़रें

पूछें,

'हर राजकुमार अपने को दूसरों से बडा ज्ञानी मानता है।' असल में बडा ज्ञानी कौन है?

प्रत्येक राजकुमार अपनी क्या-क्या खूबियाँ बताता हैं?

प्रातक्रिया का अवसर

- अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण
- आगे पढने का निर्देश

(राजकुमार दोः इधर-उधर दिखाता है..... ज्ञान तो सब की भलाई केलिए ही होता है।)

- वाचन प्रक्रिया के सोपानों से गुज़रें।

प्रश्न पूछें

"गुरुजी हम लोग संकट में पड़ गये है"

राजकुमार क्यों संकट में पड़ गये है"

राजकुमारों ने अपने ज्ञान दिखाने केलिए क्या-क्या किये?

उसका नतीजा क्या हुआ?

'वह ज्ञान, जिससे दुसरों का नुकसान हो, वह ज्ञान नहीं, अज्ञान है।' क्या इससे आप सहमत है?

चर्चा

इस कहानी में अहंकार के कारण ज्ञान का दुरुपयोग किया। इसलिए वे संकट में पड़ गये। इस प्रकार आज के ज़माने में ज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ होते है?

चर्चा

छात्रों की प्रतिक्रिया सूचिबद्ध करें

हिरोषमा के बारे में आपने सुना है?

वहाँ क्या हुआ था?

.....

.....

अणु बम
रासायनिक हथियार
बी टी - बीज
.....
..... आदि

- अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

ज्ञान समाज की भलाई केलिए होना है।

क्या हम इसका मंचन करें

कब..... कहाँ

आप उचित तारीख, स्थान और समय चर्चा के द्वारा तय करें, श्यामपट् पर लिखें मंचन की सूचना देते हुए पोस्टर तैयार करने का निर्देश दें।

- वैयक्तिक लेखन
- दो-तीन की प्रस्तुति

पोस्टर की विशेषताओं पर चर्चा

पोस्टर की विशेषताएँ क्या-क्या है?
विषय का उल्लेख है?
स्थान, तारीख, समय, आदि की सूचना है?
वाक्य या चित्र में आकर्षणीयता है?
संक्षिप्तता है?

- दलों में विचार विनिमय
- दलों की प्रस्तुति
- अपनी प्रस्तुति (टीचर वर्शन)

जगह जगह पर पोस्टर छिपकाने का निर्देश दें।

नाटक का मंचन करें

मंचन पर चर्चा चलाएँ

प्रतिक्रिया की प्रमुख बातें सूचिबद्ध करें।

- मंचन करते समय ध्यान देने की बातें क्या-क्या है?

रंग सज्जा
कथोपकथन
पात्रों का चयन
वेश भूषा

(पाठ पुस्तिका के आकलन सूचक)

मंचन केलिए पर्याप्त समय दें

दलों की प्रस्तुति

प्रत्येक दल की प्रस्तुति का आकलन अन्य दल पाठ पुस्तक के सूचकों के आधार पर करें।

आएँ नाटक का मज़ा लें

असगर वज़ाहत की एकांकी

'ज्ञान मार्ग'

1 जुलाई 2015 बुधवार
अपराह्न 3 बजे
स्कूल सभागृह में
सब का हार्दिक स्वागत

- हिन्दी मंच -
सरकारी हाईस्कूल, वयनाड

पूछें,

छात्रो, हम एक कहानी और एकांकी से गुज़रे।

इन से आपको क्या-क्या संदेश मिले?

छात्रों की प्रतिक्रिया

पन्ना उन्नीस पढने का निर्देश दें। इस में महापुरुषों की ज्ञान संबन्धी उक्तियाँ भी हैं।

इस प्रकार की अन्य उक्तियों का संकलन करने का निर्देश दें।

इस की प्रदर्शनी चलाएँ।

पूछें,

प्रदर्शनी द्वारा आपने साबित किया कि आप सब इधर हैं। पढिए कविता 'मैं इधर हूँ'

कविता उचित ताल देकर प्रस्तुत करने का अवसर दें।

'मैं इधर हूँ' यह साबित करने में ज्ञान की क्या भूमिका है?

चर्चा

संक्षिप्तीकरण

टीचर वर्शन

पहचान (एकांकी)

पात्रः

अकबर बादशाह

बीरबल

बूढ़ी महिला

पहला दृश्य

(राज दरबार, सबेरे नौ बजे, बादशाह अकबर और बीरबल चर्चा में लगे विद्वानों को देख रहे हैं। दोनों ने राजकीय पोशाक पहने हैं)

अकबर : बीरबल, कल से मेरी पढ़ाई का इंतज़ाम करो।

बीरबल : जहाँपनाह! क्या? पढ़ाई का इंतज़ाम क्यों?

अकबर : बीरबल, मैं बहुत चतुर नहीं हूँ। बहुत-सी ऐसी चीज़े है, जिनके बारे में मैं नहीं जानता। मैं सीखना चाहता है।

दूसरा दृश्य

(अगली सुबह, बादशाह अकबर दरबार में प्रवेश करते हैं। साथ बीरबल भी है।)

अकबर : (अचंभे में) बीरबल, हम क्या देख रहे है? इतनी भीड़ क्यों?

बीरबल : हुजूर! आपने कल बताया था, कुछ सीखना है।

अकबर : इसके लिए देश की आधी जनता से राजमहल को क्यों भर दिया?

बीरबल : माँफी चाहता हुँ जहाँपनाह! क्या आप जानते है कैसे रेत में घंटों खेलकर मनोरंजन करते है? और बुवाई कब करनी है?

अकबर : नहीं, पर उनसे क्या?

बीरबल : कचरे में से उपयोगी चीज़ों को कैसे छाँटना है? और कहाँ हरे-भरे चरागाह हैं?

अकबर : (गुस्से से) नहीं, नहीं, हज़ार बार नहीं।

बीरबल : (शांत स्वर में) जहाँपनाह! यहाँ मौजूद हर शख्स आपको कुछ न कुछ सिखा सकता है।

अकबर : कैसे?

बीरबल : हर व्यक्ति कुछ जानता है, जो दूसरों को पता नहीं। प्रत्येक के पास कुछ ज्ञान है, कुछ हुनर है।

अकबर : तो सभी शिक्षक भी है और विद्यार्थी भी।

बीरबल : ठीक है, जहाँपनाह!

(बीरबल भीड़ की और जाता हैं। बूढ़ी महिला का हाथ थामकर अकबर के पास ले आते हैं।)

बीरबल : ये मेरे पहले और श्रेष्ठ गुरुओं मे से एक है।

(बूढ़ी महिला सलाम करती है)

महिला : हुज़ूर, सब कुछ सीखना संभव नहीं है लेकिन अच्छा इंसान कैसे बनना है यह सब को सीखना चाहिए।

(अकबर का चेहरा खुशी से फूल उठता है)

अकबर : बीरबल, तुम बडे भाग्यशाली हो, तुम्हें इतने बडे गुरू मिले हैं।